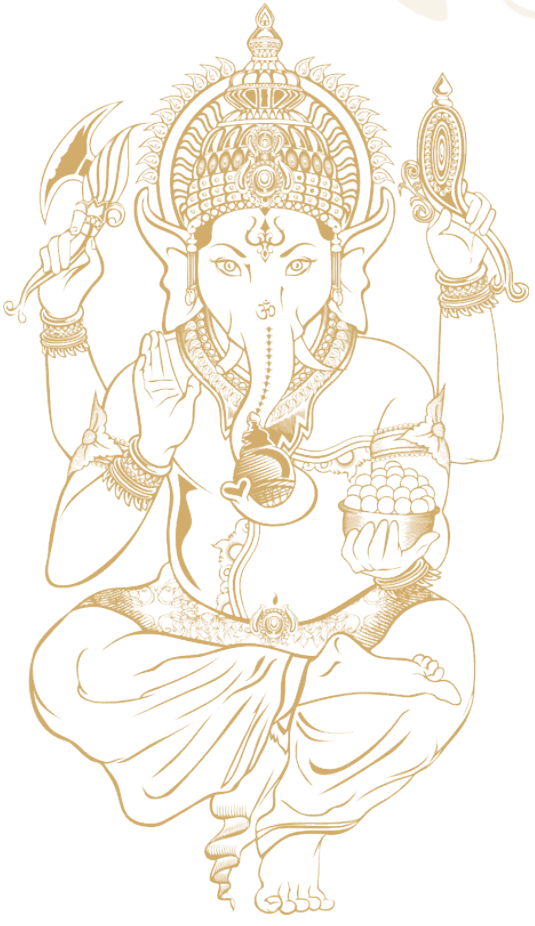

# Ankita Kumari

04 Jan 2006

07:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121853903

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **04/01/2006** |
| दिन | बुधवार |
| **जन्म समय** | **07:00:00 घंटे** |
| इष्ट | 01:00:56 घटी |
| **स्थान** | **Gaya** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 24:48:00 उत्तर |
| रेखांश | 85:00:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:10:00 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 07:10:00 घंटे |
| वेलान्तर | -00:04:49 घंटे |
| साम्पातिक काल | 14:04:06 घंटे |
| सूर्योदय | 06:35:37 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:14:18 घंटे |
| दिनमान | 10:38:41 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शिशिर |
| सूर्य के अंश | 19:36:12 धनु |
| लग्न के अंश | 24:41:59 धनु |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | धनु - गुरु |
| **राशि-स्वामी** | **कुम्भ - शनि** |
| **नक्षत्र-चरण** | **शतभिषा - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | राहु |
| योग | व्यतिपात |
| करण | बालव |
| गण | राक्षस |
| योनि | अश्व |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मेष |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | वायु |
| जन्म नामाक्षर | सी-सीमा |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मकर |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | धनु | 24:41:59 | 363:29:47 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | बुध | --- |
| सूर्य | | | धनु | 19:36:12 | 01:01:10 | पूर्वाषाढ़ा | 2 | 20 | गुरु | शुक्र | राहु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | कुंभ | 13:50:31 | 14:33:03 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | बुध | सम राशि |
| मंगल | | | मेष | 17:55:31 | 00:16:16 | भरणी | 2 | 2 | मंगल | शुक्र | मंगल | स्वराशि |
| बुध | | | धनु | 06:18:56 | 01:30:45 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | राहु | सम राशि |
| गुरु | | | तुला | 19:50:48 | 00:09:21 | स्वाति | 4 | 15 | शुक्र | राहु | मंगल | शत्रु राशि |
| शुक्र | व | | मक | 05:12:12 | 00:25:34 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | बुध | मित्र राशि |
| शनि | व | | कर्क | 15:46:35 | 00:04:08 | पुष्य | 4 | 8 | चंद्र | शनि | गुरु | शत्रु राशि |
| राहु | व | | मीन | 14:25:12 | 00:03:54 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | राहु | सम राशि |
| केतु | व | | कन्या | 14:25:12 | 00:03:54 | हस्त | 2 | 13 | बुध | चंद्र | गुरु | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | कुंभ | 13:53:45 | 00:02:19 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | बुध | --- |
| नेप | | | मक | 22:08:15 | 00:01:59 | श्रवण | 4 | 22 | शनि | चंद्र | शुक्र | --- |
| प्लूटो | | | धनु | 01:03:34 | 00:02:09 | मूल | 1 | 19 | गुरु | केतु | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | तुला | 09:18:24 | -- | स्वाति | -- | 15 | शुक्र | राहु | गुरु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:26

## लग्न-चलित

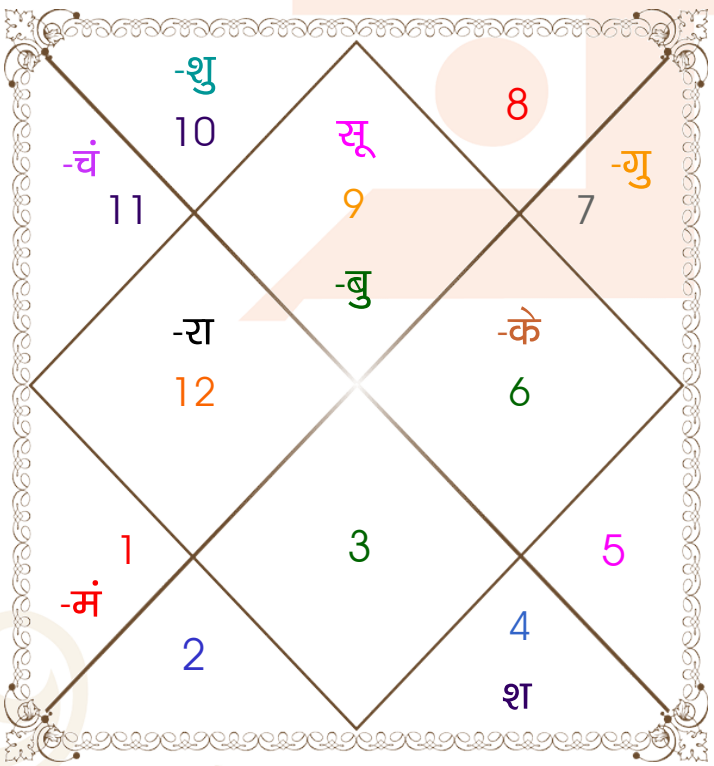


## चन्द्र कुंडली

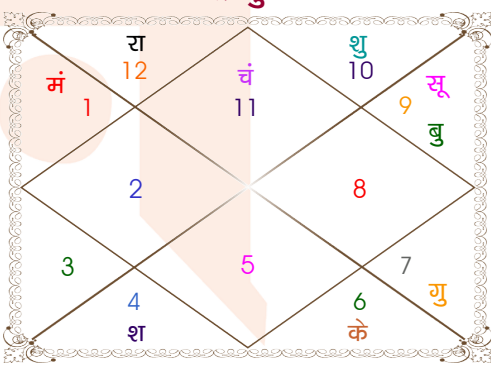


## नवमांश कुंडली

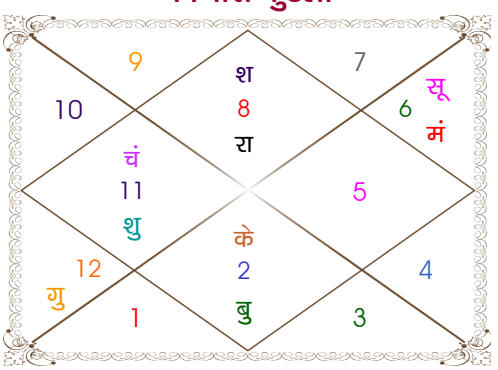

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 3 मास 23 दिन

| राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 04/01/2006 | | 28/04/2014 | | 28/04/2030 | | 28/04/2049 | | 28/04/2066 | |
| 28/04/2014 | | 28/04/2030 | | 28/04/2049 | | 28/04/2066 | | 28/04/2073 | |
| | 00/00/0000 | गुरु | 15/06/2016 | शनि | 01/05/2033 | बुध | 25/09/2051 | केतु | 24/09/2066 |
| | 00/00/0000 | शनि | 28/12/2018 | बुध | 09/01/2036 | केतु | 21/09/2052 | शुक्र | 25/11/2067 |
| | 04/01/2006 | बुध | 04/04/2021 | केतु | 17/02/2037 | शुक्र | 23/07/2055 | सूर्य | 31/03/2068 |
| बुध | 28/10/2006 | केतु | 11/03/2022 | शुक्र | 19/04/2040 | सूर्य | 28/05/2056 | चंद्र | 30/10/2068 |
| केतु | 15/11/2007 | शुक्र | 09/11/2024 | सूर्य | 01/04/2041 | चंद्र | 28/10/2057 | मंगल | 29/03/2069 |
| शुक्र | 15/11/2010 | सूर्य | 28/08/2025 | चंद्र | 31/10/2042 | मंगल | 25/10/2058 | राहु | 16/04/2070 |
| सूर्य | 10/10/2011 | चंद्र | 28/12/2026 | मंगल | 10/12/2043 | राहु | 13/05/2061 | गुरु | 23/03/2071 |
| चंद्र | 10/04/2013 | मंगल | 04/12/2027 | राहु | 16/10/2046 | गुरु | 19/08/2063 | शनि | 01/05/2072 |
| मंगल | 28/04/2014 | राहु | 28/04/2030 | गुरु | 28/04/2049 | शनि | 28/04/2066 | बुध | 28/04/2073 |

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 28/04/2073 | | 28/04/2093 | | 29/04/2099 | | 29/04/2109 | | 29/04/2116 | |
| 28/04/2093 | | 29/04/2099 | | 29/04/2109 | | 29/04/2116 | | 00/00/0000 | |
| शुक्र | 28/08/2076 | सूर्य | 16/08/2093 | चंद्र | 27/02/2100 | मंगल | 25/09/2109 | राहु | 10/01/2119 |
| सूर्य | 28/08/2077 | चंद्र | 14/02/2094 | मंगल | 28/09/2100 | राहु | 14/10/2110 | गुरु | 05/06/2121 |
| चंद्र | 29/04/2079 | मंगल | 22/06/2094 | राहु | 30/03/2102 | गुरु | 20/09/2111 | शनि | 11/04/2124 |
| मंगल | 28/06/2080 | राहु | 17/05/2095 | गुरु | 30/07/2103 | शनि | 28/10/2112 | बुध | 05/01/2126 |
| राहु | 28/06/2083 | गुरु | 04/03/2096 | शनि | 27/02/2105 | बुध | 26/10/2113 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 26/02/2086 | शनि | 14/02/2097 | बुध | 30/07/2106 | केतु | 24/03/2114 | | 00/00/0000 |
| शनि | 28/04/2089 | बुध | 21/12/2097 | केतु | 28/02/2107 | शुक्र | 24/05/2115 | | 00/00/0000 |
| बुध | 27/02/2092 | केतु | 28/04/2098 | शुक्र | 28/10/2108 | सूर्य | 29/09/2115 | | 00/00/0000 |
| केतु | 28/04/2093 | शुक्र | 29/04/2099 | सूर्य | 29/04/2109 | चंद्र | 29/04/2116 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुथ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काण का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आप आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु बृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी के जीवन में भी आ सकती हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आप अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगी यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगी क्योंकि आप एक विशाल हृदय की प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकती हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आप इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगी। तब यह संभाव्य है कि आप शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने के प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगी। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करती हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करती हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वस्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकती हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगी। आप बहुत बड़ी विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करती हैं। तथा यह भी मानती हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखती हैं कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगी तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगी।

आप कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी

बुद्धि को अनुकूल कर सकती हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकती हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।